Criterion 3 Research Innovations & Extensions

Metric No.	3.3 Research Publications & Awards	
3.3.3	**Books and Chapters published**	Cover page of book published

RAKHI PRAKASHAN PVT. LTD.
AGRA

According to Latest Curriculum

नवीन पाठ्यक्रमानुसार

अधिगम में आंकलन

Assessment in Learning

अर्चना त्रिपाठी

अधिगम में आकलन

लेखिका

श्रीमती अर्चना त्रिपाठी

एम. ए. (हिन्दी, संस्कृत, समाजशास्त्र), एम. एड.,
सहायक प्राध्यपिका,
एम. जे. कॉलेज, भिलाई,
जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़)

राखी प्रकाशन प्रा. लि.

12A, चतुर्थ तल, रमन टॉवर, संजय प्लेस,
आगरा-282 002

❖ इस पुस्तक का कोई भी भाग या अंश एवं प्रस्तुतीकरण का ढंग, प्रकाशक की अनुमति लिए बिना छापना या मुद्रित करना कॉपीराइट अधिनियम के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध होगा। इस पुस्तक के विचार पूर्णतः लेखिका के हैं।

❖ मुख्य वितरक :

- *एच. पी. भार्गव बुक हाउस*

  UG-1, निर्मल हाइट्स, निकट मैन्टल हॉस्पीटल, आगरा

❖ © प्रकाशक

❖ प्रथम संस्करण : 2017

❖ ISBN : 978-93-86213-56-3

❖ मूल्य : Rs. 125/-

❖ प्रकाशक : राखी प्रकाशन प्रा. लि.,
12A, चतुर्थ तल, रमन टॉवर, संजय प्लेस, आगरा-282 002
Ph. 0562-2857458
E-mail : rakhiprakashan@yahoo.com
Website : www.rakhiprakashan.com

❖ मुद्रक : पवन प्रिंटर्स, सिंगी गली, आगरा।

प्राक्कथन

प्रस्तुत पुस्तक "अधिगम में आकलन" विशेष रूप से बी. एड. के दो वर्षीय नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, द्वारा प्रायोजित इस द्विवर्षीय बी. एड. पाठ्यक्रम के लिए यह एक अनिवार्य विषय के रूप में मार्ग-दर्शन प्रदान करेगी। प्रस्तुत पुस्तक छत्तीसगढ़ के विश्वविद्यालयों यथा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, दुर्ग विश्वविद्यालय, जगदलपुर विश्वविद्यालय, अम्बिकापुर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुरूप तैयर करने का सफल प्रयत्न किया गया है।

नि:सन्देह रूप से यह पुस्तक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए समान रूप से लाभ प्रदान करेगा। यह मेरी आशा एवं विश्वास है कि प्रस्तुत पुस्तक दोनों ही स्तम्भों, अर्थात् विद्यार्थी एवं शिक्षक, को लक्ष्य प्राप्त करने में सहयोग करेगा।

मैं निश्चित रूप से उन शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति हृदय से आभारी रहूँगी जो मुझे प्रस्तुत पुस्तक की कमियों अथवा त्रुटियों से अवगत कराएँगे।

नित्यस्मरणीय पूज्य दादाजी श्री एन. पी. शुक्ला एवं अविस्मरणीय ससुर स्व. श्री एस. एन. त्रिपाठी के चरणों में सादर समर्पित एवं आर्शीवाद के साथ.....

145, जवाहर नगर,
दुर्ग

श्रीमती अर्चना त्रिपाठी